केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 181 शुक्रवार 24 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नेताजी सुभाष चन्द प्रेरणा के श्रोत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। कायस्थ सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सुबास तिराहे पर स्थित 'नेताजी' की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके अदम्य साहस और देश की आजादी में योगदान को याद किया। जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि महापुरूषों का त्याग, समर्पण व देशभक्ति देशवासियों के लिये प्रेरणास्रोत है। उनके जीवन आदर्शों को अपनाकर हम देश की आजादी को अक्षुण्य बनाये रखेंगे।

उन्होने कहा नेताजी सुबाष चन्द्र बोस एक ऐसे स्वतंत्रता सेनानी रहे जिनका नाम सुनने मात्र से बीरता और समर्पण के भाव जागृत हो जाते हैं। मुख्य ट्रस्टी अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा महापुरूषों का सम्मान और उनके इंतिहास को संजोकर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। सामाजिक कार्यकर्ता अशोक श्रीवास्तव ने कहा नेताजी की वीरता से अंग्रेजी हुकूमत थर थर कांपती थी। उन्होने आजाद हिंद सेना का गठन कर अंग्रेजों को संदेश दिया था कि अब भारत को ज्यादा दिनों तक गुलाम बनाकर रखना संभव नही है। नेताजी सुबास चन्द्र बोस को माल्यार्पण करते समय दुर्गेश श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, हरिप्रसाद श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, नीतेश श्रीवास्तव, अरूण कुमार श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, संतोष श्रभ्वास्तव आदि मौजूद रहे।

नेताजी को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायक सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर चित्रांश क्लब बस्ती के अध्यक्ष प्रकाश मोहन श्रीवास्तव के नेतृत्व में फव्वारा तिराहे पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर फूल माला पहनकर उन्हें नमन किया गया। क्लब के उपाध्यक्ष अनिल कुमार पांडे एवं महामंत्री उमंग शुक्ला ने कहा कि "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा" का नारा देने वाले क्रांतिकारी सुभाष चंद्र बोस ने अपना पूरा जीवन देश के नाम कर दिया और अंतिम सांस देश की आजादी के लिए संघर्ष करते रहे। क्लब के संस्थापक राजेश चित्रगुप्त एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व और कृतित्व ने आजादी आंदोलन को एक नई दिशा दी थी। सुभाष चंद्र बोस को जयंती पर उन्हें नमन करने वालों में क्लब के जी रहमान, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, दीपू श्रीवास्तव ,अमर सोनी, मुजीब अंसारी, अयाजुर रहमान, विजय कुमार सिंह (प्रधान) राजकुमार शुक्ला, रूपेश श्रीवास्तव, इब्राहिम सहित लोग उपस्थित रहे।

सदैव याद किये जायेंगे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। खंड विकास कार्यालय पर गुरुवार को नेता सुभाष चंद्र बोस की जयंती खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज की अगुवाई में धूमधाम से मनाई गई। ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि सुभाष चंद्र बोस क्रांतिकारी नेता थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया था । उनके द्वारा दिया गया जय हिंद का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया। कार्यक्रम में अमित शुक्ला, दीपक श्रीवास्तव, सुभाष चंद्र, कुलदीप यादव, देवेंद्र यादव, राजेश सिंह, राजेश यादव, ओमकार चौधरी, राहुल कुमार, राधा गुप्ता, अभिनव यादव, महेंद्र यादव,गोरख नाथ यादव सही तमाम लोग मौजूद रहे।

दिल्ली के चुनावी रण में उतरे योगी

नई दिल्ली (आभा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को किरारी में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित किया, और मतदाताओं से आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन करने का आग्रह किया। रैली में भारी भीड़ उमड़ी क्योंकि सीएम योगी ने विकास, कानून व्यवस्था में सुधार और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का वादा किया। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल की आलोचना तेज करते हुए योगी ने सवाल किया कि क्या आप नेता और उनके मंत्री प्रदूषित यमुना नदी में

डुबकी लगाने की हिम्मत करेंगे।

योगी ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर एक मुख्यमंत्री के तौर पर मैं और मेरे मंत्री प्रयागराज में संगम में डुबकी लगा सकते हैं तो मैं दिल्ली में आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल से पूछना चाहता हूं कि क्या वह अपने मंत्रियों के साथ जाकर यमुना में स्नान कर सकते हैं? मुझे नहीं लगता कि वे इसकी हिम्मत करेंगे और मुझे नहीं लगता कि दिल्ली के लोग इस लापरवाही के लिए उन्हें माफ करेंगे।

योगी ने कहा कि यह राष्ट्रीय राजधानी है। एनडीएमसी क्षेत्र के अलावा दिल्ली में सड़कों, पानी की आपूर्ति और बिजली की स्थिति पर नजर डालें। एक दशक पहले, लोग बेहतर बुनियादी ढांचे, मेट्रो सेवाओं और स्वच्छता के लिए यहां आते थे। लेकिन अब इस सरकार ने इसे क्या बना दिया है? सड़कें गड्ढों से भरी हैं, और कुछ स्थानों पर, यह बताना मुश्किल है कि गड्ढों के नीचे कोई सड़क है या नहीं। जगह–जगह कूड़े के ढेर और गंदगी है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ष्सड़कों पर सीवेज बह रहा है और गंभीर पेयजल संकट मंडरा रहा है। आप सरकार इन बुनियादी मुद्दों को संबोधित करने में विफल रही है। आप नेतृत्व की आलोचना करते हुए, आदित्यनाथ ने उन पर वास्तविक शासन पर सोशल मीडिया को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

शिवसेना ने जयन्ती पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, बाला साहब ठाकरे को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को शिवसेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय के संयोजन में शिविर कार्यालय सुगर मिल के परिसर में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और शिव सेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे की जयन्ती अवसर पर दोनों महापुरूषों को नमन् किया गया। इसी कम में पार्टी नेताओं ने फौव्वारा चौराहा पर स्थित नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन् किया।

शिव सेना प्रदेश सचिव संजय प्रधान और जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने 'तुम मुझे खून दो' मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का नारा देकर देश को एकजुट करने के साथ ही आजादी दिलाई और बाला साहब ठाकरे ने भारत के नव निर्माण में योगदान के साथ ही हिन्दू हितों की रक्षा के लिये आजीवन संघर्ष किया। कहा कि यह संयोग ही है कि दोनों महापुरूषों की जयंती एक ही दिन है। हमें इनके बताये मार्ग पर चलकर देश को सशक्त बनाना होगा।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

और बाला साहब ठाकरे के चित्र पर माल्यार्पण करने वालों में नागेन्द्र मिश्र, सुनील मिश्र, विजय कुमार, हरिश्चंद्र, इंद्रपाल प्रजापति, बलराम प्रजापति, विकास चौधरी, आलोक कुमार, राम भवन मोरिया, रवि गुप्ता, ऋषभ कुमार, चंद्रावती देवी, गीता देवी, फूलमती, लक्ष्मी देवी, क्रांति देवी, प्रभावती देवी, उषा किरण, मालती देवी, मूरती देवी, मंजू देवी,के साथ ही शिवसेना के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

नेताजी की जयन्ती पर याद किये गये सेनानी रामू उपाध्याय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जयन्ती की पर आजाद हिन्द फौज के सेनानी रामू उपाध्याय को याद किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में समिति के महासचिव श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि नेताजी ने देश की गुलामी को निकट से महसूस किया और विश्व भ्रमण कर आजादी के संघर्ष के लिये जो वातावरण सृजन किया संसार में ऐसा दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। कहा कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आवाहन पर सैकड़ो लोग एकत्र हो गये। बस्ती जनपद के फेटवा निवासी रामू उपाध्याय इसी संकल्प को लेकर नेताजी से जुडे। संयोग ही है कि दोनों महापुरूषों की जयंती एक ही दिन है।

समिति के संरक्षक वरिष्ठ चिकित्सक एवं साहित्यकार डा. वी. के. वर्मा ने नेताजी के योगदान पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि उन्होने कठिन समय में देश को जो मार्ग दिखाया आजादी उसी का प्रतिफल है। ऐसे महापुरूषों को सदैव याद किये जाने की जरूरत है। समाजसेवी बी.के. मिश्र ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और उनके सहयोगी रामू उपाध्याय के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुये कहा कि नयी पीढी को ऐसे बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिये। अध्यक्षता करते हुये बी.एन. शुक्ल ने कहा कि नेताजी का योगदान युगों तक याद किया जायेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पं. चन्द्रबली मिश्र, पं. सदानन्द शर्मा, तौव्वाब अली, संजीव पाण्डेय, आदित्य राज, छोटेलाल वर्मा, अजमत अली सिद्दीकी, लालजी पाण्डेय, पेशकार मिश्र, सामईन फारूकी, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, गणेश प्रसाद, दीनानाथ यादव, सहित उपस्थित लोगों ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और रामू उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को रेखांकित किया।

रालोद नेताओं ने किया कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल के संयोजन में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने फुटहिया चौराहे पर कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। वे एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने बस्ती आये थे। अरूणेन्द्र पटेल ने मंत्री अनिल कुमार को बस्ती मण्डल में रालोद द्वारा किये जा रहे सांगठनिक कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। मंत्री अनिल कुमार ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के सपनों को पूरा करने के लिये रालोद को मजबूती दें। राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी किसानों,नौजवानों के हितों के लिये निरन्तर संघर्षशील हैं।

सूचना एवं विज्ञान प्रोद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार का स्वागत करने वालों में रालोद जिलाध्यक्ष सर्वेश वर्मा, ओम प्रकाश चौधरी, महिपाल पटेल माही, श्रीराम मौर्य, इन्द्र बहादुर यादव, प्रदीप चौधरी, त्रिपुरेश प्रताप पाठक, अरूण कुमार, शक्ति प्रताप चौधरी, राम कृपाल चौहान, मुन्नीलाल मास्टर, सुरेन्द्र चौधरी, शिवराम चौधरी के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

कैपरी गोल्ड लोन शाखा का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कैपरी गोल्ड लोन का उद्घाटन किया। कटरा पानी टंकी के निकट कार्यालय का उद्घाटन करते हुये महेश शुक्ल ने कहा कि कृषि, उद्यम एवं संकट के समय गोल्ड लोन एक अवसर बनकर सामने आया है। लोगों को चाहिये कि जरूरत पर ऋण लेने के साथ उसे समय से जमा भी करें जिससे दूसरे जरूरतमंद को अवसर मिले।

उद्घाटन अवसर पर शाखा प्रबंधक शेखर मिश्र ने बताया कि कैपरी गोल्ड लोन देश की प्रतिष्ठित संस्था है और बस्ती में इसकी शाखा खुल जाने से लोगों

–विकास के लिये गोल्ड लोन एक अवसर– महेश शुक्ल

को आसानी के साथ सस्ते व्याज दरों पर ऋण मिल सकेगा। जोनल विजनेस हेड पंकज गुप्ता, एरिया मैनेजर प्रशस्य मिश्र ने कैपरी गोल्ड लोन के योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर मुख्य रूप से अमरनाथ तिवारी, आकाश पाण्डेय, चन्द्रभूषण सिंह, अमित यादव, आशी श्रीवास्तव, गुड्डू सिंह, आनन्द चौधरी, गिरीश पाण्डेय के साथ ही कैपरी गोल्ड लोन से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजकीय इन्टर कालेज के निर्माण का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने राजकीय इन्टर कालेज के अतिरिक्त कक्ष एवं पुस्तकालय के निर्माण कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था यू०पी० स्टेट कांस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट कॉरपोरशन लि०, बस्ती द्वारा कराया जा रहा है तथा छत एवं भवन से सम्बन्धित ध्वस्तीकरण कार्य प्रगति पर है। बरामदे के छत में सरिया व शटरिंग का कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य

में गैलेन्ट कम्पनी की सरिया लगायी जा रही है। इस परिसर के शौचालय का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा प्रयोगशाला का निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है।

उन्होने निर्माण कार्य को निर्धारित अवधि में पूर्ण करने के दृष्टिगत सहायक अभियन्ता द्वारा बोर्ड परीक्षा के दौरान बैरीकेटिंग करके निर्माण कार्य चालू रखने को कहा। प्रधानाचार्य, राजकीय इन्टर कालेज को उन्होने निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्य की मानीटरिंग करें एवं बोर्ड परीक्षा के समय संस्था द्वारा बैरीकेटिंग करके निर्माण कार्य किया जायेगा, जिसमें इन्हें सहयोग प्रदान करें।

महाकुंभ में पेश होगा सनातन बोर्ड का मसौदा

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ के सेक्टर 17 में होने वाली धर्मसभा में आने वाली 27 जनवरी को सनातन बोर्ड का मसौदा पेश किया जाएगा। यह दिन 'धर्म की स्वतंत्रता का दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस बात की जानकारी प्रसिद्ध आध्यात्मिक प्रवक्ता देवकीनंदन ठाकुर ने गुरुवार को निरंजनी अखाड़े में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, 'हमारा धर्म स्वतंत्र नहीं है। हमारे मंदिर सरकारों के अधीन हैं, गुरुकुल बंद हो गए हैं और गौ माता सड़कों पर भटक रही हैं। हमें अपने धर्म और संस्कृति को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए सनातन बोर्ड की जरूरत है।ष उन्होंने यह भी बताया कि धर्मसभा में सभी अखाड़ों, चारों शंकराचार्यों के प्रतिनिधि और सनातन धर्म से जुड़े प्रमुख लोग शामिल होंगे।

ठाकुर ने साफ शब्दों में कहा, ष्जब तक सरकार सनातन बोर्ड का गठन नहीं करती, हम कुंभ से वापस नहीं जाएंगे।'

जूनापीठाधीश्वर महंत स्वामी यतींद्रानंद गिरी ने कहा, 'सनातन बोर्ड सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए जरूरी है। आतंकवाद, नफरत और अराजकता को खत्म करने का रास्ता सिर्फ सनातन धर्म से ही होकर गुजरता है।' निरंजनी अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर और उज्जैन के अर्जुन हनुमान मंदिर के महंत स्वामी प्रेमानंद पुरी ने कहा, 'कुछ लोग गंगा की भूमि को वक्फ बोर्ड का बताने का दावा करते हैं। उन्हें समझना चाहिए कि सनातन धर्म सूर्य की उत्पत्ति से पहले से अस्तित्व में है। देश की

एक साल पहले हुई थी शादी,पत्नी को मार डाला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।जनपद में एक नवविवाहिता की गला दबाकर हत्या की वारदात सामने आई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि पति व पत्नी के बीच किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी। आरोप है कि गुरुवार की सुबह गला दबाकर पति ने पत्नी की हत्या कर दी। उसे हिरासत में लेकर तफ्तीश की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं।

ये घटना पैकोलिया थानाक्षेत्र के कपूरपुर का है। यहां रहने वाले रविशंकर की शादी करीब एक साल पहले नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली 25 साल की संगीता गोस्वामी के साथ हुई थी। वह अपनी सास व पति के साथ ससुराल में रह रही थी। आरोप है कि दहेज के लिए भी संगीता को प्रताड़ित किया जा रहा था। गुरुवार की सुबह किसी बात को लेकर पति व पत्नी के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान शिवशंकर ने संगीता का गला दबाकर उसे मार डाला। सूचना पर सीओ व थाने की फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है।

विधूडी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने के लिये कांग्रेस नेत्री मंजू पाण्डेय ने पुलिस को दिया बयान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की महासचिव मंजू पाण्डेय ने कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव सांसद प्रियंका गांधी पर भाजपा नेता पूर्व सांसद रमेश विधूडी द्वारा अभद्र टिप्पणी किये जाने के मामले में सीओ सिटी के समक्ष अपना बयान दिया। आग्रह किया कि इस प्रकरण में रमेश विधूडी के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई किया जाय।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के

माध्यम से कांग्रेस नेत्री मंजू पाण्डेय ने बताया कि पूर्व सांसद रमेश विधूडी ने जिस प्रकार से सांसद प्रियंका गांधी पर अभद्र टिप्पणी किया वह प्रियंका गांधी ही नहीं देश के महिलाओं का अपमान है। उनके बयान के बाद ही जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर रमेश बिधूडी के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया गया था। कहा कि अभी तक पुलिस प्रशासन ने मुकदमा पंजीकृत नहीं किया है। यदि पुलिस ने मुकदमा दर्ज न किया तो वे सक्षम न्यायालय में जाने को बाध्य होंगी। राजनीति में सक्रिय महिलाओं का अपमान बरदाश्त नहीं किया जायेगा।

जयन्ती पर समाजवादियों ने किया नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती संकल्पों के साथ मनायी गई। गुरूवार को नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल' ने कहा कि नेताजी ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी और देशवासियों के बीच देशभक्ति और बलिदान की भावना को जागृत किया। सुभाष चंद्र बोस का योगदान केवल उनके द्वारा लड़ी गई लड़ाइयों तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने भारतीयों के आत्मसम्मान, साहस और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया। उनका नारा ' तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' आज भी युवाओं में लोकप्रिय है। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, मो. स्वालेह, मो. सलीम, जमील अहमद ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम

में अपना सर्वस्व अर्पित किया। उनकी प्रेरणा हमें देश और समाज के प्रति कर्तव्य निभाने की सीख देती है। साथ ही ये सीख भी मिलती है कि जब उद्देश्य महान हो, तो हर बाधा को पार किया जा सकता है। उनके विचार सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से राम सिंह यादव, अरविन्द सोनकर, प्रशान्त यादव, विपिन त्रिपाठी, अमित यादव, अजय यादव, मो. हारिश, नितराम चौधरी, मुरलीधर पाण्डेय, रजवन्त यादव, मो. युनूस आलम, गौरीशंकर यादव, धर्मराज यादव, राहुल सिंह, अतुल सिंह, जयराज यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

तीन दिवसीय सांस्कृतिक लोक उत्सव का रंगारंग समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।आरोही चेरिटेवल ट्रस्ट द्वारा बनकटी विकास खण्ड क्षेत्र पं. पशुपतिनाथ इण्टर कालेज बखरिया में तीन दिवसीय सांस्कृतिक लोक उत्सव का समापन करते हुये सामाजिक कार्यकर्ता ग्राम प्रधान नागेन्द्र चौधरी ने कहा कि इस अनूठे कार्यक्रम से लोगों को अपने लोक कला, संस्कृति का ज्ञान हुआ। लोग जिसे भूलने लगे हैं वह परम्परा पुर्नजीवित हुई।

सांस्कृतिक लोक उत्सव के तीन दिवसीय आयोजन में समापन अवसर पर नौटंकी, बिरहा, चैती, कजरी, कथक, मयूर नृत्यु, भजन, गजल, सुगम संगीत और स्थानीय लोक गीतों की सशक्त प्रस्तुति देकर कलाकारों ने मन मोह लिया। लोक कलाकार जंगीनाथ यादव, अमरेश पाण्डेय, निरमा कन्नौजिया, श्रीराम यादव, वीरेन्द्र साहनी, सुखई यादव, ओम प्रकाश यादव, संदीप कन्नौजिया,

काजल, सुमन, सुनीता, प्रमिला, अंजली, ललिता, अवन्तिका, मधु, शालू, नीलम, कविता, सुशीला, प्रीती, हेमा आदि ने सार्थक प्रस्तुति दी। इसी कड़ी में विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया।

आरोही चेरिटेवल ट्रस्ट अध्यक्ष भानु प्रकाश मिश्र ने अतिथियों, कलाकारो और बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों का स्वागत करते हुये कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य अपनी लोक कला, संस्कृति को जीवन्त रखना है । तीन दिन के आयोजन में लोगों को अपने सांस्कृतिक परम्परा का ज्ञान हुआ।

समापन अवसर पर मुख्य रूप से बाल मुकुन्द मिश्र, पवन कुमार, परमात्मा चौधरी, अश्विनी श्रीवास्तव, सुधाकर उर्फ नीरज, ईश्वरचन्द, मनोज श्रीवास्तव, वेद प्रकाश, सुनील धर, कृष्णचन्द्र, हरेन्द्र पाण्डेय, शिवाजी, अतुल उपाध्याय, लवकुश, प्रीती त्रिपाठी, शिवम, गीता देवी, भोलू, दुर्गेश, धर्मेन्द्र जायसवाल के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 24 जनवरी 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

समान नागरिक संहिता

उत्तराखंड समान नागरिक संहिता को लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने समान नागरिक संहिता नियमावली 2025 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, लिव इन रिलेशन आदि के प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यूसीसी के कुशल क्रियान्वयन के लिये अत्याधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। जिसके लिए नागरिकों व अधिकारियों के लिये ऑनलाइन पोर्टल तैयार किए गए हैं। यूसीसी के अंतर्गत विभिन्न पंजीकरण मसलन विवाह, तलाक, विवाह शून्यता, लिव इन रिलेशन, वसीयत आदि होंगे। सरकार ने त्वरित पंजीकरण के लिये अलग शुल्क भी निर्धारित किए हैं। सरकार का दावा है कि लिव इन रिलेशन के पंजीकरण व समाप्ति की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। एक साथी की ओर से समाप्ति के आवेदन पर दूसरे की पुष्टि अनिवार्य होगी। उल्लेखनीय है कि समान नागरिक संहिता के वेबपोर्टल के उपयोग की शुरुआत फिलहाल सरकार की मॉक ड्रिल का हिस्सा होगा। निस्संदेह, देश में पहली बार समान नागरिक संहिता को लागू करना उत्तराखंड सरकार का ऐतिहासिक कदम है। जो सभी धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों को मानकीकृत करने के लक्ष्य को निर्धारित कर राज्य में समानता और न्याय की राह में कदम बढ़ाता है। हालांकि, कानून के विशेषज्ञ कुछ खमियों की ओर भी इशारा करते हैं। फाइलों में यह कोड एक साहसिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मसलन विवाह व लिव इन संबंधों का अनिवार्य पंजीकरण, बहुविवाह और निकाह हलाला पर प्रतिबंध और बच्चों के लिये समान विरासत अधिकार देता है, चाहे उनके माता–पिता की वैवाहिक स्थिति कुछ भी हो। दूसरे शब्दों में स्त्री के अधिकारों को संरक्षण प्रदान करके समतामूलक समाज की स्थापना का वायदा करता है। एक मायने में यह लैंगिक न्याय और प्रगतिशील सोच व आधुनिक मूल्यों का प्रतीक है। लेकिन जब हम इसके प्रावधानों का गहराई से मूल्यांकन करते हैं तो कई तरह की विसंगतियां सामने आती हैं।

दरअसल,कई मुद्दों पर व्यापक विमर्श की कमी को लेकर भी सवाल उठते हैं। कुछ लोग समलैंगिक विवाहों की स्वीकार्यता के प्रश्न का जिक्र करते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि यूसीसी के प्रावधानों में गोद लेने के कानूनों पर खामोशी क्यों है? सवाल यह है कि क्या ये प्रयास व्यापक सुधारों को अंजाम दे पाएंगे? या फिर ये महज पैचवर्क की कवायद मात्र है? सरकार की दलील है कि सांस्कृतिक रूप से संवेदनशीलता को ध्यान रखते हुए अनुसूचित जनजातियों को इसमें छूट दी गई है। सवाल उठाये जा रहे हैं कि क्या इससे समान नागरिक संहिता के आदर्श लक्ष्यों की पूर्ति होती है? इसको लेकर एकरूपता के सवाल उठाते हुए कहा जा रहा है कि क्या यूसीसी का सार इसे सभी पर समान रूप से लागू करना नहीं है? आलोचकों का कहना है कि इस मुद्दे पर पर्याप्त विधायी बहस नहीं हो पायी है। यह भी कि इस गंभीर मुद्दे पर सर्वसम्माति बनाने के लिये वास्तविक प्रयास नहीं हुए। बजाय इसके इसे जल्दीबाजी में अंजाम दिया गया। विपक्षी लोगों का कहना है कि इस गंभीर मुद्दे पर लोगों की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए थी और सभी लोगों की आवाजें पर्याप्त रूप से सुनी जानी चाहिए थीं। यदि ऐसा नहीं हो पाया है तो इसे हम कैसे सब लोगों का कानून कह सकते हैं? कुछ लोगों की दलील है कि कुछ प्रावधान नैतिक पुलिसिंग के करीब हैं। दंड के साथ लिव इन संबंधों का अनिवार्य पंजीकरण निष्पक्षता सुनिश्चित करने की तुलना में अनुरूपता को लागू करने का प्रयास अधिक लगता है। कुछ का कहना है कि इसमें उत्तराधिकार को लेकर औपनिवेशिक युगीन अपरिवर्तित कानूनों की छाया नजर आती है। तो क्या समान नागरिक संहिता एक सुधारवादी प्रकाश स्तंभ की भूमिका निभा पाएगा? निस्संदेह, यह पहला कदम उठाने के लिये उत्तराखंड सरकार को श्रेय दिया जा सकता है। लेकिन समान नागरिक संहिता की मुहिम की आगे की राह अधिक साहस और रचनात्मकता की मांग करती है। यदि इस पहल से राष्ट्र को प्रेरित करना है, तो इसे प्रगतिशीलता से आगे बढ़ना चाहिए। सही मायनों में इसे भारत के आधुनिक, बहुलवादी लोकाचार को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

मिल्कीपुर उप चुनाव का सियासी रण

–अजय कुमार–

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बुधवार का दिन बेहद खास और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रहा, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के महाकुंभ में अपनी पूरी कैबिनेट की बैठक आयोजित की। यह आयोजन सिर्फ धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश देने के लिहाज से भी अहम था। संगम के पवित्र तट पर मंत्रिमंडल की बैठक के साथ मुख्यमंत्री ने न केवल प्रदेश सरकार के विकास कार्यों पर चर्चा की, बल्कि अपने सहयोगी दलों को भी एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत अन्य मंत्रियों के साथ संगम में डुबकी लगाई। इस धार्मिक अनुष्ठान को भाजपा की 'संस्कृति और परंपरा से जुड़े रहने' की विचारधारा के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की और कई बड़े फैसले लिए। इनमें प्रदेश के पिछड़े इलाकों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा, बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने के लिए नई योजनाओं की शुरुआत और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए रक्षा उत्पादन नीति में बदलाव शामिल थे। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सरकार समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस बैठक का एक प्रमुख उद्देश्य यह दिखाना था कि भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ खड़ी है, खासकर उन राजनीतिक अटकलों के बीच जो यह कह रही थीं कि भाजपा के सहयोगी दल उससे नाराज हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर सहयोगी दलों के नेताओं को विशेष महत्व दिया। उन्होंने अपना दल (सोनेलाल) के नेता आशीष पटेल और निषाद पार्टी के नेता संजय निषाद को आमंत्रित कर स्पष्ट संदेश दिया कि गठबंधन मजबूत है। आशीष पटेल ने हाल ही में सरकारी अधिकारियों पर अपने खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया था, और उनकी नाराजगी की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। इसी तरह, संजय निषाद भाजपा द्वारा कटेहरी उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारने के कारण कथित तौर पर नाराज बताए जा रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस बैठक के जरिए इन विवादों को हल करने और गठबंधन में विश्वास बहाल करने की कोशिश की।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा का यह कदम विपक्ष के गठबंधन को कमजोर करने और भाजपा के सहयोगियों के बीच विश्वास बनाए रखने का प्रयास है। इस रणनीति का उद्देश्य समाजवादी पार्टी द्वारा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) गठजोड़ के जरिए अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिशों को विफल करना भी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस बैठक को ष्राजनीतिक दिखावाष करार देते हुए भाजपा पर आरोप लगाया कि वह धार्मिक स्थलों को राजनीतिक संदेश देने के लिए इस्तेमाल कर रही है। अखिलेश ने कहा कि कुंभ जैसे धार्मिक आयोजन राजनीति का मंच नहीं होना चाहिए, लेकिन भाजपा ने इसे प्रचार का जरिया बना लिया है।

इन सबके बीच, मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव ने प्रदेश की राजनीति को और गर्मा दिया है। यह उपचुनाव भाजपा और समाजवादी पार्टी दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भाजपा ने इस चुनाव को पूरी गंभीरता से लिया है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद इसके प्रचार की कमान संभाल रहे हैं। मिल्कीपुर की यह सीट सपा के अवधेश प्रसाद के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। भाजपा के उम्मीदवार चंद्रभानु पासवान मैदान में हैं, और भाजपा हर संभव कोशिश कर रही है कि यह सीट उनके खाते में जाए।

भाजपा ने इस चुनाव के लिए एक विस्तृत रणनीति तैयार की है। जातीय गणित को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने दलित, ब्राह्मण और पिछड़े वर्गों के मतदाताओं को साधने का प्रयास तेज कर दिया है। पार्टी ने बूथ स्तर पर मजबूत टीम बनाई है, जो मतदाताओं से सीधा संपर्क कर रही है। घर–घर जाकर वोटर पर्चियों का वितरण किया जा रहा है, और इस प्रक्रिया को दो बार दोहराने की योजना बनाई गई है ताकि कोई भी मतदाता छूट न जाए। भाजपा के प्रचार अभियान में मुख्यमंत्री के साथ–साथ पार्टी के वरिष्ठ मंत्री और नेता भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी भी इस चुनाव को जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। सपा ने अपने उम्मीदवार अजीत प्रसाद को जिताने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। सपा का प्रचार अभियान भाजपा की नीतियों और शासन को मुद्दा बनाकर मतदाताओं को आकर्षित करने पर केंद्रित है। सपा के प्रचारकों का कहना है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में विकास को पीछे छोड़ दिया है और कानून–व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ा है। सपा ने पीडीए फॉर्मूले के जरिए पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वोटों को अपने पक्ष में करने की कोशिश की है।

मिल्कीपुर के उपचुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है, जिससे मुकाबला भाजपा और सपा के बीच सीधा हो गया है। हालांकि, चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी ने संतोष कुमार को उम्मीदवार बनाया है। वह सपा के पूर्व नेता रह चुके हैं और अब सपा के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके दलित मतदाताओं पर पड़ने वाले प्रभाव का चुनाव परिणाम पर गहरा असर पड़ सकता है।

यह उपचुनाव भाजपा और सपा दोनों के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। भाजपा जहां अपनी विकास योजनाओं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता के सहारे जीत की उम्मीद कर रही है, वहीं सपा अपनी सामाजिक समीकरणों और भाजपा सरकार की कथित नाकामियों को मुद्दा बनाकर मैदान में उतरी है। दोनों ही दल यह समझते हैं कि इस उपचुनाव का परिणाम प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकता है।

5 फरवरी को होने वाले मतदान के लिए चुनाव प्रचार जोरों पर है। भाजपा और सपा दोनों ही दल अपने–अपने स्टार प्रचारकों को मैदान में उतारने की योजना बना रहे हैं। अखिलेश यादव और शिवपाल यादव सपा के प्रचार अभियान को गति देने वाले हैं, जबकि भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य वरिष्ठ नेताओं का फोकस क्षेत्र में रहेगा। जातीय गणित, विकास के मुद्दे और भाजपा–सपा के बीच की टकराहट इस चुनाव को और रोचक बना रही है।

मिल्कीपुर का यह उपचुनाव प्रदेश की राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। भाजपा जहां अपने गठबंधन के साथ मजबूती से खड़ी नजर आ रही है, वहीं सपा अपने सामाजिक समीकरणों के सहारे जीत का दावा कर रही है। चुनाव परिणाम आने के बाद यह साफ हो जाएगा कि जनता किस दल पर भरोसा जताती है और प्रदेश की राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ेगी।

ट्रंप के फैसले और भारत की मुश्किलें

–अभिनय आकाश–

अमेरिका में फिलहाल 4.8 मिलियन यानी 48 भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं जो अमेरिका की कुल आबादी का 1.47: है। जबकि 34: लोग अमेरिका में ही पैदा हुए हैं। इनमें से ज्यादातर इस नए बदलाव से प्रभावित होंगे। बड़ी तादाद में भारतीय मूल के वे लोग भी है, जिन्होंने अमेरिकी नागरिकता जन्म के वक्त ही हासिल की है। अगर यह नीति लागू होती है तो एच–1बी जैसे अस्थायी वर्क वीजा के तहत काम कर रहे और ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे लोगों के बच्चों को जन्म के आधार पर अमेरिका की नागरिकता नहीं मिलेगी।

20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों का जिक्र किया था। सख्त लहजे में उन्होंने बोला था कि अमेरिका की धरती पर अवैध तरीके से जो प्रवासी रह रहे हैं उनके ऊपर एक्शन लिया जाएगा। ये कोई पहली दफा नहीं है। इससे पहले भी वो इस पर टिप्पणियां करते रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने अवैध प्रवासियों पर सख्त टिप्पणियां की हैं। लेकिन अब वो एक बार फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए हैं तो दावा किया जा रहा है कि भारत के 18 से 20 हजार ऐसे लोग हैं जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे हैं। भारत उन्हें वापस लाने के लिए ट्रंप सरकार से बात कर सकता है। दरअसल, ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत सरकार ट्रंप के नए प्रशासन को खुश करने के लिए 20 हजार भारतीयों को वापस डिपोर्ट करने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद अलग अलग मीडिया रिपोर्ट में प्रवासियों की संख्या को लेकर अलग अलग दावे किए जा रहे हैं। लेकिन अनुमानित 20 हजार अप्रवासी इस वक्त अमेरिका में है। इनमें से करीब 2 हजार के लगभग वहां की डिटेंशन सेंटर में बंद हैं। यूएस कस्टम एंड इमीग्रेशन ने 2 हजार भारतीयों को हटाने का फाइनल ऑर्डर दे दिया है। बाकी के 18 हजार को लेकर भी चर्चा चल रही है।

ट्रम्प ने शपथ लेने के बाद अवैध प्रवासियों की एंट्री बैन करने के अलावा जन्मजात नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) को खत्म करने को लेकर भी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर वह आदेश होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति जारी करते हैं। उनका यह आदेश कानून बन जाता है जिसे कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। कांग्रेस इन्हें पलट नहीं सकती। हालांकि इन्हें अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रूबियो और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बात चल रही है। उन्होंने कहा है कि हम इस मुद्दे को लेकर बेहद ही गंभीर हैं और भारत सरकार को इसे हल करना होगा। ऐसे में 18 से 20 हजार भारतीयों को वापस भेजा जा सकता है। इसके अलावा ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि भारत चाहता है कि एच1बी वीजा प्रोग्राम सरलता से चलता रहे। भारत से बड़ी संख्या में स्किल्ड वर्कर अमेरिका जाते हैं। एच1बी वीजा का सबसे ज्यादा फायदा भारत को ही मिलता रहा है।

अमेरिकी जमीन पर पैदा हुए किसी भी बच्चे को अपने आप ही नारिकता मिल जाती है, चाहे उसके माता–पिता का इमिग्रेशन या फिर नागरिकता का स्टेटस कुछ भी हो। ट्रंप के आदेश के लागू होने के नाद अमेरिका में पैदा हुए सच्चे को नागरिकता उसी हालत में मिलेगी, जन उसके माता– पिता में से कोई एक अमेरिकी नागरिक हो, ग्रीन कार्ड होल्डर या फिर अमेरिकी सेना में हो।

अमेरिका में फिलहाल 4.8 मिलियन यानी 48 भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं जो अमेरिका की कुल आबादी का 1.47: है। जबकि 34: लोग अमेरिका में ही पैदा हुए हैं। इनमें से ज्यादातर इस नए बदलाव से प्रभावित होंगे। बड़ी तादाद में भारतीय मूल के वे लोग भी है, जिन्होंने अमेरिकी नागरिकता जन्म के वक्त ही हासिल की है। अगर यह नीति लागू होती है तो एच–1बी जैसे अस्थायी वर्क वीजा के तहत काम कर रहे और ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे लोगों के बच्चों को जन्म के आधार पर अमेरिका की नागरिकता नहीं मिलेगी। अमेरिका काम करने एच–1बी वीजा के तहत गए के भारतीयों के लिए उनके तथ्यों को मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता उनकी भी नागरिकता को सुनिश्चित करने में मदद करते है लेकिन अब नई नीति के बाद इन बच्चों की नागरिकता पर ही संकट है।

भारतीय स्टूडेंट्स अमेरिका में पढ़ने वाला दूसरा बड़ा अंतरराष्ट्रीय समुदाय है। ऐसे में एफ–1 वीजा पर पह रहे लोगों की शादी और बच्चे होते हैं तो उन्हें नागरिकता नहीं हासिल होगी। ट्रंप के इस आदेश की वैधानिकता को संसद और कोर्ट में साबित करने में वर्षों लग सकते हैं।

दवाई, पढाई के यक्ष प्रश्न

–सन्तोष पाठक–

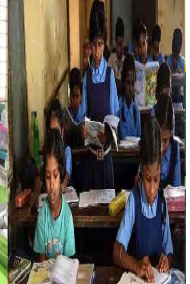

वास्तविकता तो यह है कि भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में मुफ्त शिक्षा और मुफ्त इलाज जैसे बेसिक दायित्वों से लगभग सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया है। मुफ्त शिक्षा में कई तरह की शर्तें लगा दी गईं हैं। सरकारी स्कूलों की हालत हर गुजरते दिन के साथ खराब होती जा रही है।

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर 21 जनवरी 2025 को जारी किए गए अपने दूसरे संकल्प पत्र में यह वादा किया है कि दिल्ली की सत्ता में आने पर पार्टी जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक फ्री शिक्षा देगी। इस पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की सत्ता में आने पर भाजपा मुफ्त शिक्षा और मुफ्त इलाज बंद कर देगी।

राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप से अलग हटकर देखा जाए तो फ्री एजुकेशन का यह मसला अपने आप में बहुत ही गंभीर मसला है और दुर्भाग्य से इस परिस्थिति के लिए इस देश के सभी राजनीतिक दल जिम्मेदार है। आज कोई भी राष्ट्रीय या बड़ा क्षेत्रीय दल सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य की बदहाली के लिए अपने आपको जिम्मेदार से मुक्त नहीं बता सकता है क्योंकि लगभग सभी राजनीतिक दलों ने कभी न कभी सत्ता का सुख जरूर भोगा है। गठबंधन राजनीति के दौर में, देश की राजनीति में सक्रिय ज्यादातर राजनीतिक दल या तो केंद्र की सत्ता में भागीदार रहे हैं या किसी ना किसी राज्य में सरकार चला चुके हैं या वर्तमान में भी चला रहे हैं।

वास्तविकता तो यह है कि भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में मुफ्त शिक्षा और मुफ्त इलाज जैसे बेसिक दायित्वों से लगभग सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया है। मुफ्त शिक्षा में कई तरह की शर्तें लगा दी गईं हैं। सरकारी स्कूलों की हालत हर गुजरते दिन के साथ खराब होती जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में जब साइंस और मैथ्स जैसे विषयों के अध्यापकों की भारी कमी है तो देश के अन्य राज्यों के स्कूलों का अंदाजा आप लगा सकते हैं। देशभर के सरकारी स्कूलों में मिलने वाली ड्रेस की गुणवत्ता और किताबों पर लगातार सवाल उठते रहते हैं। एनसीईआरटी तो समय पर किताब छपवाना ही भूल गई है। मिड डे मील ने तो स्कूलों में पढ़ाई की हालत और ज्यादा खराब कर दी है लेकिन इसके विकल्प की भी कोई तलाश नहीं की जा रही है।

सरकारी अस्पतालों की हालत भी कितनी दयनीय हो चुकी है, यह सब जानते हैं। दिल्ली के एम्स जैसे अस्पताल में भी ऑपरेशन की डेट कई–कई साल बाद मिलने की खबरें लगातार आती हैं। एम्स और सफदरजंग जैसे अस्पतालों के इर्द–गिर्द खुल चुके सैकडों प्राइवेट लैब्स यह बताने के लिए काफी है कि इन दोनों सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की आस में आने वाले लोगों को हजारों रुपए खर्च कर बाहर से ही जांच करवाना पड़ता है। सरकारी अस्पताल में पूरी दवाई मिल जाए, इसकी उम्मीद तो अब लोग वर्षों पहले ही छोड़ चुके हैं लेकिन अब उचित जांच और उचित इलाज की उम्मीद भी दम तोड़ती नजर आ रही है। जब दिल्ली के सरकारी अस्पतालों की हालत इतनी खराब है तो आप देश के अन्य राज्यों के सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा का अंदाजा बखूबी लगा सकते हैं।

विडंबना देखिए कि, सरकारों ने इस बारे में अब सोचना तक छोड़ दिया है, कार्रवाई के बारे में तो भूल ही जाइए। आंकड़े बताते हैं कि देश में डॉक्टरों की बड़े पैमाने पर कमी है लेकिन एमबीबीएस जैसे बेसिक डॉक्टरी की पढ़ाई पर भी सरकार का फोकस नहीं है , जिससे इस कमी को दूर किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल 13 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा को क्वॉलिफाई किया था लेकिन देश में एमबीबीएस की सीटें एक लाख 8 हजार के लगभग ही है। इसमें से भी सरकारी सीटें सिर्फ 56 हजार के लगभग ही है। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में एक साल की फीस एक से डेढ़ करोड़ के बीच है यानी एमबीबीएस की चार सालों की पढ़ाई के लिए प्राइवेट कॉलेजों में 4 करोड़ से लेकर 6 करोड़ तक सिर्फ फीस ही देनी होगी। अब इसमें बाकी खर्चों को भी जोड़ लीजिए। सोचिए, इस हालत में भला मिडिल क्लास का कौन सा परिवार अपने बच्चों को डॉक्टर बनाने के बारे में सोच सकता है ?

सरकारों ने लोगों को मुफ्त और उचित इलाज नहीं दे पाने की अपनी नाकामी को छिपाने के लिए बीमा योजनाओं का सहारा लेना शुरू कर दिया है। जिन योजनाओं का फायदा आम लोगों से ज्यादा प्राइवेट अस्पतालों को ही हो रहा है।

फ्री, फ्री और रेवड़ियों के इस दौर में सरकारों ने अपनी प्राथमिक जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया है। यह अपने आप में सबसे बड़ी चिंता का विषय है। लेकिन कभी न कभी तो इस देश के बड़े तबके खासतौर से लाभार्थी वर्ग के लोगों को आगे बढ़कर सरकारों से और राजनीतिक दलों से यह कहना ही होगा कि, ष्आप हमें बेवकूफ बनाना बंद कीजिए। सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों की हालत ठीक कीजिए, सरकारी अस्पतालों की हालत ठीक कीजिए, अध्यापकों और डॉक्टरों की कमी को दूर कीजिए, बिना किसी भेदभाव के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा और सरकारी अस्पतालों में जाने वाले सभी लोगों के लिए मुफ्त इलाज की व्यवस्था को हर कीमत पर और हर हाल में सुनिश्चित कीजिए।'

पुष्पक हादसे से गम में डूबा 60 घरों का जुलाहनपुरवा गांव, नौवीं की पढ़ाई करने के बाद कमाने गया था युवक

संवाददाता–गोण्डा। जिले के कटरा बाजार थाना के गांव जुलाहन पुरवा रहने वाले मृतक नसीरुद्दीन के बड़े भाई सिराज ने रोते हुए बताया कि हमारे भाई 18 वर्ष की उम्र में जीवन में पहली बार मुंबई कमाने जा रहे थे। हमने उन्हें रोका था की कमाने ना जाओ। लेकिन उन्होंने कहा कि भैया सभी लोग कमाने जा रहे हैं। हम भी जाएंगे। हमसे उनसे कहा कि तुम वहां के विषय में कुछ जानते नहीं हो कमाने ना जाओ। तो उसने कहा कि हम सबके साथ जाएंगे। जब सबके साथ वह चलने लगा तो फिर हमने कहा कि इन लोगों का साथ छोड़ना नहीं। रात के 1 बजे हमने उनके पास फोन मिलाया तो उन्होंने कहा कि खाना खा लिया है। भैया सब कुछ ठीक है। फिर हमने उनसे कहा कि यदि ट्रेन में कोई कुछ देता है। तो उसे खाना पीना नहीं। उसके बाद फोन कट गया। 1 घंटे बाद मेरे बड़े पिताजी के लड़के का फोन आया कि ट्रेन में आग लगने की अफवाह उड़ी और वह कूदे, और खत्म हो गए। उसने बताया कि गांव और परिवार नाते रिश्तेदार को मिलाकर सात आठ लोग थे। सिर्फ हमारे भाई की मौत हुई है। इसके बाद चिल्लाकर रोने लगे। घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। पूरे गांव में मातम का माहौल है। गांव से एक होनहार के चले जाने का दुख सबकी आंखों में छलक रहा है। इस घटना को लेकर हर किसी की आंखें नम है।

नसीरुद्दीन बहुत ही गरीब घर का लड़का था। घर की रोजी–रोटी किसी तरह से चल रही थी। रहने के लिए टूटा फूटा मकान था। इन्हीं सब परेशानियों को लेकर उसके अंदर कमाने की ललक पैदा हुई और घर से निकल पड़ा। लेकिन प्रकृति को कुछ और मंजूर था। ग्रामीणों ने कहा कि ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाए।

एसएसबी के 21 दिवसीय कम्प्यूटर प्रशिक्षण का शुभारंभ

संवाददाता–महराजगंज। एसएसबी बीओपी चंडीधान में कमांडेंट जगदीश प्रसाद धाबाई के नेतृत्व में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत 21 दिवसीय बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि नौतनवा प्रमुख राकेश मद्धेशिया एसएसबी की इस पहल को सराहनीय बताया। मुख्य अतिथि ने कहा कि इस प्रशिक्षण से सीमावर्ती ग्रामीणों के बेरोजगार युवा तथा युवतियों को अपना खुद का व्यवसाय व आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। कमांडेंट जगदीश प्रसाद धाबाई ने बताया कि यह व्यावसायिक प्रशिक्षण 21 दिनों तक चलाया जाएगा। प्रशिक्षुओं को सैद्धांतिक व व्यवहारिक दोनों क्लास चलेगा, जिसमे सीमा चौकी खैराघाट के कार्यक्षेत्र से 50 युवा तथा युवतियों को बेहतर स्व–रोजगार के लिए कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जायेगा। शिवेंद्र पांडेय सेटा फाउंडेशन ने चलाये जा रहे नागरिक कल्याण कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए युवाओं को संबोधित किया। इस दौरान गुलाब यादव, उत्तम कुमार सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बहराइच महोत्सव में झलकेगी तराई की संस्कृति की विविधता की तस्वीर

संवाददाता–बहराइच। शहर के गेंदघर में एक बार फिर बहराइच महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस बार महोत्सव में तराई की संस्कृति की विविधता भी झलकेगी। लोकगीत संग थारू नृत्य महोत्सव में सस्कृति के रंग को चटख करेगा, तो देश के नामचीन कवि व साहित्यकार भी अपनी रचनाओं का रसपान कराएंगे। महोत्सव को लेकर शासन की ओर से भी बजट अवमुक्त कर दिया गया है। पर्यटन विभाग आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। अबकी बार होने जा रहा तीन दिवसीय बहराइच महोत्सव यादगार होगा। तराई की लोक नृत्य संग थारुओं की संस्कृति से ओतप्रोत महोत्सव का दीदार स्थानीय लोग कर सकेंगे। डीएम की अध्यक्षता वाली समिति क्षेत्रीय कला व कलाकार को इस बार भी प्रदर्शन का मौका मिलेगा। स्थानीय स्तर के कलाकारों को लेकर अलग से टीम बनेगी। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर के कवि सम्मेलन को लेकर भी रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसमें देश के उन नामचीन कवियों को आमंत्रित करने की तैयारी हो रही है, जिनको लोग सुनना पसंद कर रहे हैं। इनमें युवा से लेकर बुजुर्ग तक के पसंदीदा कवियों की सूची तैयार हो रही है। पर्यटन अधिकारी मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि शासन की ओर से महोत्सव के लिए 25 लाख का बजट आवंटित किया है। 29 जनवरी को होने वाली बैठकों में सभी तरह के कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा, ताकि फरवरी के पहले सप्ताह में महोत्सव का आगाज हो सके। महोत्सव में सांस्कृतिक, साहित्यिक संग योग से निरोग रहने का भी संदेश दिया जाएगा। ताकि प्रधानमंत्री की ओर से योग को बढ़ावा देने को उठाए जा रहे कदम को बल मिले। तराई के लोग भी योग को नजदीक से जान सकें। अपनी दैनिक क्रिया में योग को हिस्सा बनाने को लेकर प्रोत्साहित हो सकें। इसके लिए जिले में विभिन्न संस्थानों के योग गुरुओं व विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। मोनिका रानी, डीएम ने कहा कि बहराइच महोत्सव की तैयारी चल रही है। महोत्सव के जरिए तराई की संस्कृति व यहां के लोकगीतों को युवा पीढ़ी से आत्मसात कराने की पहल हो रही है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 1335 ए/2022

मो0 कलीम

बनाम

अबरार हुसेन आदि

बनाम–1– अबरार हुसेन 2– सरदार हुसेन पुत्रगण हैदर हुसेन 3– बेबी उर्फ साबिरा पुत्री कैसर हुसेन पत्नी एहसान अली निवासीगण मोहल्ला खुर्द महल परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या 4– शाहिदा खातून पत्नी मो0 हबीब निवासी मोहल्ला बंदेअली छावनी रेतिया परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 25–01–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2025 के माह 01 के 25 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

अन्तर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

M.N.R.N0. 123/2024

श्रीमती अफसाना

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम

मृतक–अब्दुल कलाम पुत्र स्वर्गीय सिद्दीकन निवासी मकान नम्बर 5/7/77 बछड़ा सुल्तानपुर शहर फैजाबाद परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या

मृत्यु दिनांक–29/04/2024

पेशी दिनांक– 29–01–2025

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2025 के माह 01 के 29 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 25–01–2025 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

अन्तर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

M.N.R.N0. 64/2024

मो0 इसरार

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम

मृतका–रूकय्या बेगम पत्नी मो0 फारूक निवासी ऋषि टोला शहर फैजाबाद जिला – अयोध्या

वर्तमान पता– 7/11/65 नेवातीपुरा शहर फैजाबाद जिला– अयोध्या

मृत्यु दिनांक–12/04/2015

पेशी दिनांक– 29–01–2025

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2025 के माह 01 के 29 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 29–01–2025 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

अन्तर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

M.N.R.N0. 121/2024

पूनम

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम

2– विनोदिनी पत्नी स्वर्गीय गुलाब चन्द्र 3– आंचल पुत्री स्वर्गीय गुलाब चन्द्र निवासीगण ग्राम व पोस्ट– सिकन्दरपुर तहसील हर्रैया जिला बस्ती।

मृतक–गुलाब चन्द्र पुत्र महादेव निवासी सिकन्दरपुर तहसील हर्रैया जिला बस्ती।

मृत्यु दिनांक–20/04/2024

पेशी दिनांक– 17–02–2025

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2025 के माह 02 के 17 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 17–02–2025 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

अन्तर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0

M.N.R.N0. 2/2025

आशमा

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम

मृतक–मो0 साबिर पुत्र रहमतउल्लाह निवासी मुकेरी टोला नियावां रोड मकान नम्बर 3/1/2 परगना– हवेली अवध तहसील सदर जिला – अयोध्या

मृत्यु दिनांक–28/12/2016

पेशी दिनांक– 07–02–2025

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2025 के माह 02 के 07 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 07–02–2025 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

क्षेत्र पंचायत की बैठक में मांगे गए विकास के प्रस्ताव

संवाददाता–श्रावस्ती। विकास खंड जमुनहा के प्रमुख शिवम जायसवाल की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक की गई। जिसमें प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों से विकास संबंधी प्रस्ताव मांगे गए। बैठक में लघु सिंचाई,बेसिक शिक्षा,जल जीवन मिशन, पशु पालन विभाग, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, ग्राम विकास, ग्राम पंचायत अधिकारी सहित कई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। ब्लाक प्रमुख ने योजनाओं की समीक्षा की और जनप्रतिनिधियों से विकास योजनाओं का प्रस्ताव मांगा। पशु चिकित्साधिकारी ने सरकार की ओर से चलाए गए कार्यक्रम की जानकारी दी।

इसके साथ ही पशुओं की बीमारी खुर पका व मुंह पका का टीकाकरण कराने के बारे में बताया। बैठक में मौजूद जिला पंचायत सदस्य हरीश गांधी ने आरोप लगाया की ठेकेदारों की ओर से गांवों की सड़कों को तोड़ कर पाइप डाला गया। लेकिन सड़कों को ठीक नहीं कराया गया। वहीं वीरगंज बनी पानी की टंकी दो महीने से खराब है। जिससे जलापूर्ति नहीं हो रही है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि गरीब बच्चों का निजी स्कूलों में प्रवेश कराया जा रहा है। जिसकी फीस सरकार भरेगी। जबकि स्वास्थ विभाग ने विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर रणवीर सिंह, खंड विकास अधिकारी अखंड प्रताप,विजय कुमार सहित ग्राम विकास अधिकारी व प्रधान तथा बीडीसी मौजूद रहे।

आयल कंपनियों संग बैठक में तय हुई नो हेलमेट, नो फ्यूल की रणनीति

संवाददाता–कुशीनगर। कुशीनगर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में एडीएम वैभव मिश्रा ने जनपद के समस्त पेट्रोल पम्प संचालकों, समस्त विक्रय प्रबन्धक, जिला समन्वयक, तेल कंपनियों के साथ 26 जनवरी से लागू हो रहे नो हेलमेट, नो फ्यूल की रणनीति तय की गयी। एडीएम ने कहा कि अबसे तीन दिन तक सभी पंप संचालक बाइक चालकों को चेतावनी देंगे कि पंप से बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं मिलेगा। यह भी बताएंगे कि बिना हेलमेट चलने वालों का पुलिस द्वारा चालान किया जाएगा।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए सरकार द्वारा दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिये जाने का निर्देश जारी किया गया है, जिसे जनपद कुशीनगर में पूर्ण रूप से लागू किया जाना है। मोटर वाहन अधिनियम प्रत्येक व्यक्ति, जो मोटरसाइकिल, स्कूटर या मोपेड चलाता है या सवारी करता है, को मानक हेल्मेट पहनना अनिवार्य है। यह नियम चार वर्ष से अधिक आयु के बच्चों पर भी लागू होता है।

पेट्रोल पम्प के संचालकों को निर्देशित किया कि वे वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए अपने प्रांगण में इस आशय के बड़े–बड़े होर्डिंग लगायेंगे कि दिनांक 26 जनवरी से किसी भी ऐसे दो पहिया वाहन चालक को पेट्रोल का विक्रय नहीं किया जायेगा, जिसके चालक तथा सहयात्री ने हेलमेट नहीं पहना हो। गुरुवार से प्रारम्भ में दो पहिया वाहन चालकों को तीन दिवस तक चेतावनी दी जाय कि अगली बार उन्हें बिना हेल्मेट पेट्रोल नहीं मिलेगा। साथ ही 26 जनवरी से बिना हेल्मेट पेट्रोल नहीं दिया जायेगा और बिना हेल्मेट पाये जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्यवाही करायी जायेगी। बैठक में उपस्थित सभी पेट्रोल पम्प संचालकों द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन करने एवं इस कार्य में पूर्ण सहयोग करने हेतु सहर्ष सहमति व्यक्त की गयी।

श्री रामहर्षण आदि मैथिल सख्यपीठ में तीन दिवसीय महोत्सव का हुआ समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।श्री रामहर्षण आदि मैथिल सख्यपीठ , मीरापुर में तीन दिवसीय कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 2020 में भगवान सीताराम जी के साथ माता जानकी के बड़े भाई लक्ष्मी निधि और उनकी धर्मपत्नी सिद्धिकुंवरि का श्रीरामहर्षण मैथिल आदि सख्यपीठ प्राण प्रतिष्ठा हुई थी 21 जनवरी को पांचवा पाटोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें हजारों की संख्या में शिष्य गण सम्मिलित हुए। 22 जनवरी को श्री सीताराम जी का कल्याण महोत्सव मनाया गया, जिसमें विधि विधान से ठाकुर जी का विवाह संपन्न हुआ। 23 जनवरी को मैथिल सख्यपीठ के संस्थापक ,बचपन से ही तेजस्वी प्रतिभा के धनी मानस केसरी सम्मान से सम्मानित, माता जानकी को अपनी छोटी बहन मानने वाले आचार्य अवधकिशोर दास महाराज 96 वां जन्मोत्सव श्री रामहर्षण आदि मैथिल सख्यपीठ वर्तमान पीठाधीश्वर महंत कमलेश्वर दास के संयोजन में मनाया गया और तीन दिवसीय कार्यक्रम में आश्रम से जुड़े मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश के साथ पूरे भारत से आए हुए शिष्य सम्मिलित हुए। महंत कमलेश्वर दास जी महाराज ने बताया कि श्री महाराज जी बचपन से ही राम हर्षण सरकार में अनुराग रखते थे और माता जानकी जी को अपनी छोटी बहन मानते थे। उन्होंने बताया कि गुरुदेव भगवान की इच्छा से ही आश्रम की स्थापना अयोध्या धाम में की गई और उन्हीं के आशीर्वाद से आश्रम में निरंतर सेवाएं चल रही हैं। भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव के साथ–साथ प्रभु श्री राम,माता जानकी का विवाह और गुरुदेव भगवान का जन्मोत्सव मंदिर स्थापना कल से ही मनाया और इस परंपरा को आगे बढ़ते हुए आश्रम में तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें अयोध्या के संतो महंतो के साथ हजारों की संख्या में शिष्य गण सम्मिलित हुए सभी लोग आनंद के साथ ठाकुर जी का पाटोत्सव मनाया विवाह में सम्मिलित हुए और गुरुदेव भगवान की 96 वें जन्मोत्सव में सम्मिलित हुए सभी अतिथियों का मैं आभार व्यक्त करता हूं और कार्यक्रम के समापन के अवसर पर आश्रम में संतों महंतों को प्रसाद पाया गया और सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

बाइक सवार युवक को बस ने रौंदा, मौत

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के परतावल–गोरखपुर मार्ग स्थित कतरारी पुलिस चौकी के पास गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। बाइक सवार युवक को पीछे से रोडवेज बस ने रौंद दिया। बस की टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार युवक बस में फंसकर 25 मीटर घिसटता गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बस को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद मृत युवक के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। गोरखपुर जनपद के गुलरिया थाना क्षेत्र के मीरपुर गांव निवासी रमेश गुप्ता (42) इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। गुरुवार को वह टीवी चौनल का डिश बनाने बाइक से श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के गोधवल जा रहा था। अभी वह कतरारी चौकी से थोड़ा आगे पहुंचा था कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। इससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। वह बस में फंसकर बस रुकने तक घिसटता रहा। हादसे के बाद बस का चालक बस छोड़कर फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना कतरारी पुलिस चौकी पर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में युवक को इलाज के लिए निकट के भटहट सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया, लेकिन वह दम तोड़ चुका था। डॉक्टर ने उसकी जांच करते ही उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। अभिषेक सिंह, थानाध्यक्ष ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृत युवक के भाई की तहरीर पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जलगांव रेल दुर्घटना में श्रावस्ती के चार लोग घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। घर से मुंबई कमाने गए श्रावस्ती के चार लोग जलगांव में हुई रेल दुर्घटना में घायल हो गए। जिसमें तीन को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जबकि एक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करके इलाज किया जा रहा है। गंभीररूप से घायल के परिजन जलगांव के लिए रवाना हो गए हैं। सिरसिया थाने के बभनपुरवा ताल बघौड़ा निवासी अबू मोहम्मद पुत्र अड़वन 20 जनवरी को घर से निकल कर मुंबई जा रहा था। इसी तरह से सिरसिया थाने के ही तेंदुआ रतनपुर निवासी हकीम अली, गिलौला थाने के गिलौला निवासी हसन अली और सोनवा थाने के दिकौली निवासी मोहम्मद अली पुत्र निब्बर भी ट्रेन से मुंबई कमाने जा रहे थे। ट्रेन में अफवाह फैलने के बाद सभी लोग कूदने लगे। जिसमें अबू मोहम्मद भी कूद गया था। जिसके कारण गंभीररूप से घायल हो गया। जबकि हकीम अली नहीं कूदा था लेकिन धक्का मुक्की में घायल हो गया। दोनों एक ही बोगी में यात्रा कर रहे थे। वहीं गिलौला निवासी हसन अली और दिकौली निवासी मोहम्मद अली दूसरी बोगी में यात्रा कर रहे थे। इन दोनों लोगों को भी मामूली चोटें आई हैं। जिसके कारण दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद भेज दिया गया। मोहम्मद अली के पिता निब्बर ने बताया कि फोन पर बात हुई है। उनका बेटा सुरक्षित मुंबई पहुंच गया है।

रेल दुर्घटना में गंभीररूप से घायल अबू मोहम्मद के परिजन जलगांव के लिए रवाना हो गए हैं। उसके दो भाई छोटे लाल व बाबादीन रात में ही घर से चले गए। पत्नी ने बताया कि उसके तीन लड़के व एक लड़की है। आमदनी का कोई जरिया न होने के कारण मुंबई कमाने जा रहे थे। बुधवार रात में दुर्घटना की सूचना मिली थी। तभी दो लोग रवाना हो गए हैं। शुक्रवार सुबह तक मौके पर पहुंचेंगे।

प्रयागराज में महंत गणेश दास को महामंडलेश्वर उपाधि से किया गया अलंकृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीधाम अयोध्या की प्रतिष्ठित पीठ श्री अवध बिहारी कुंज के साथ वाला राजस्थान शेखावाटी खालसा के पीठाधीश्वर महंत गणेश दास जी महाराज को प्रयागराज महाकुंभ में चारों संप्रदाय के जगतगुरु और तीनों अखाड़े के संतों की उपस्थिति में अखिल भारतीय पंच दिगंबर अनी अखाड़े ने महामंडलेश्वर उपाधि से अलंकृत किया। बताते चलें कि गणेश दास जी महाराज अपना पूरा जीवन सनातन धर्म के प्रचार के लिए समर्पित कर चुके हैं और निरंतर धर्म का प्रचार करते रहते हैं। श्री महाराज जी का अयोध्या का आश्रम हो या राजस्थान का सेवाएं निरंतर चलती रहती हैं ठाकुर जी की सेवा के साथ अतिथि सेवा की को प्राथमिकता दिया जाता है कोई भी व्यक्ति आश्रम में पहुंचने के बाद निराश नहीं लौटता। श्री महाराज जी श्री राम कथा, श्रीमद् भागवत कथा और संतान सम्मेलनों में निरंतर सनातन धर्म को आगे बढ़ने का कार्य करते रहते हैं। महाराज जी संत हैं और सेवा को ही अपना धर्म मानते हैं, श्री महाराज जी के गुरुदेव भगवान श्री महामंडलेश्वर थे और आज श्री महाराज जी को प्रयागराज में महामंडलेश्वर बनाया गया। महामंडलेश्वर बनने के बाद महंत गणेश दास जी महाराज ने बताया कि उपाधि पाना आसान है लेकिन उसका निर्वहन करना कठिन, अब तक जितनी हमारी जिम्मेदारियां थी महामंडलेश्वर बनने के बाद कई गुना बढ़ गई हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सनातन धर्म को बदनाम करने का कार्य चल रहा है हमारा सबसे पहला उद्देश्य होगा कि सनातन धर्म से भटके युवाओं को अपने धर्म के तरफ प्रेरित करना और जो भी लोग हमारे सनातन धर्म को बदनाम करने का कार्य कर रहे हैं, उनके कृतियों को अपने समाज के सामने उजागर करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म अनादि काल से चला आ रहा है बाकी जितने सब हैं वह पथ हैं हमें किसी भी धर्म से कोई आपत्ति नहीं है लेकिन सनातन धर्म को बदनाम करने का जो भी कार्य करेगा उसको समाज में दंडित करने के लिए मैं आगे आऊंगा क्योंकि महामंडलेश्वर की उपाधि धर्म और समाज की रक्षा के लिए होता है। मेरा जीवन सनातन धर्म के विचार को आगे बढ़ाने के लिए है और यह जीवन पर्यटन करता रहूंगा साथ ही साथ सेवा का भी कार्य चलता रहेगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अमन सिंह पुत्र श्री राजेश कुमार सिंह मकान नम्बर 3/19/203 ए शक्ति बिहार कालोनी शहर व जिला– अयोध्या का निवासी है। मैंने अपने पुत्र अक्षयवल सिंह का नाम बदलकर अक्षय श्रीश सिंह कर दिया है। अब उसे अक्षय श्रीश सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाय। मो0 9519775335

सर्राफ के बेटे को अगवा कर दस करोड़ की फिरौती में नया मोड़, रैपिडो ने कर दिया खेल खराब

संवाददाता–गोरखपुर। राजघाट के हिंदी बाजार के रहने वाले सर्राफ के बेटे का अपहरण कर 10 करोड़ की फिरौती मांगे जाने के मामले से जिले में सनसनी फैल गई। सराफा के पिता भीम सावंत की सूचना पर पुलिस को बताया था कि उनके बेटे को अगवा कर लिया गया है और अपहरणकर्ताओं ने चिट्ठी के जरिए फिरौती मांगी है। लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की, तो मामला एक चौंकाने वाले मोड़ पर आ गया। छानबीन करने पर पता चला कि जिस कपड़े में चिट्ठी थी उसे रोहित ने खुद ही रैपिडो के डिलीवरी बॉय से घर भेजा था। चौधरी गली में रहने वाले भीम सावंत ने राजघाट थाना पुलिस को दी तहरीर में लिखा है कि बुधवार की सुबह उनका बेटा रोहित सावंत स्कूटी लेकर जीडीए टावर अपने दोस्त के बुलाने पर गया था। तभी से उसका फोन बंद था। कुछ ही देर बाद घर पर एक डिलीवरी बॉय स्वेटर और एक चिट्ठी लेकर पहुंचा, जिसमें 10 करोड़ की फिरौती मांगी गई थी।पुलिस को मामला संदिग्ध लगा, तो उन्होंने तुरंत जांच शुरू की। काल डिटेल और सीसी कैमरे का फुटेज खंगालने पर पुलिस को पता चला कि इस ‘अपहरण’ का मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि खुद रोहित है।

पुलिस जांच में पता चला कि बुधवार सुबह 10:38 बजे रोहित ने अपने फोन से रैपिडो के एक डिलीवरी बॉय को बुलाया। 10:54 बजे उसने डिलीवरी बॉय को 40 रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया और स्वेटर में एक चिट्ठी रखकर उसे घर पहुंचाने के लिए कहते हुए अपने पिता का मोबाइल नंबर दिया।डिलीवरी बॉय के घर पहुंचने पर फोन करके कंफर्म भी किया कि स्वेटर पहुंचा या नहीं। रोहित ने अपनी स्कूटी गोलघर में दुकान चलाने वाले दोस्त के यहां खड़ी कर दी।सुबह 10:56 बजे जीडीए की पार्किंग में खड़ी अपने दोस्त विनय सिंह की गाड़ी (नंबर यू0पी053 ईएम 8079), जो कई महीनों से उसके पास थी, से निकला।सीसी कैमरे का फुटेज चेक करने पर वह अकेले ही पार्कि में जाते हुए दिख रहा है।कुछ देर बाद उसकी कार छात्रसंघ चौराहे पर दिखी।

पुलिस की पूछताछ और शुरुआती जांच से यह सामने आया है कि रोहित भारी कर्ज में डूबा हुआ था।

आर्थिक संकट से घिरा रोहित इससे बचने के लिए एक बड़ी योजना बनाना चाहता था। उसने खुद को गायब दिखाने और परिवार को मानसिक तनाव में डालकर फिरौती की साजिश रची, ताकि वह अपने कर्जदाताओं से बच सके। पुलिस ने जब डिलीवरी बॉय से पूछताछ की, तो उसने रोहित की तस्वीर पहचान ली और बताया कि वही शख्स था, जिसने उसे स्वेटर और चिट्ठी दी थी। डिलीवरी बॉय की गवाही और कॉल रिकार्ड ने मामले को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई। एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने के अनुसार जांच में यह पता चला है कि रोहित खुद ही कार लेकर निकला है। सीसी फुटेज व सर्विलांस की मदद से उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही बरामद कर लिया जाएगा।

युवक की हत्या कर नहर में फेंकी लाश, सिर पर मिले चोट के निशान

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में युवक की हत्या कर दी गई। गुरुवार की सुबह उसका शव नहर में मिला। वह बीती शाम को घर से निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। सुबह लोगों ने देखा तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। खबर मिली तो परिजन भी रोते बिलखते पहुंच गए।

युवक की पहचान टांडा क्षेत्र के बलया जगदीशपुर निवासी अजय सिंह के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। शव को भरहा नहर से बाहर निकलवाया। युवक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह रघुवंशी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

माफी मांगें हनुमानगढ़ी के पुजारी राजूदास –अपर्णा यादव

संवाददाता–अयोध्या। पद्म विभूषण पूर्व रक्षा मंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव पर हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास की ओर से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और स्व. मुलायम सिंह की बहू अपर्णा यादव ने पुजारी राजू दास से माफी मांगने के लिए कहा है।

अपर्णा यादव ने कहा कि यह जो सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट की गई है यह अपने आप को चमकाने के लिए की गई है। इतनी बड़ी पीठ से आप संबंध रखते हैं और इस तरह के कृत्य करते हैं, यह आपसे अपेक्षित नहीं था। अगर आपने ऐसा किया है तो आप उस कृत्य के लिए माफी मांगे।

सार्वजनिक जीवन में इस तरह की अभद्र टिप्पणी वैसे भी नहीं करनी चाहिए, किसी को भी नहीं करनी चाहिए। ऐसा व्यक्ति जो एक परंपरा से आ रहा है उनको तो बिल्कुल इस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। दरअसल फेसबुक पर अखिलेश यादव की ओर से मुलायम सिंह की फोटो लगाकर पीडीए के भगवान के दर्शन के बाद कुंभ जाने के लिए कहा गया था। इस पोस्ट को राजू दास ने शेयर कर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

श्रीविष्णु महायज्ञः जन्मोत्सव पर उमड़ी श्रद्धा, भये प्रकट कृपाला, दीन दयाला

–7 दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ संत सम्मेलन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ संत सम्मेलन में श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम और भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव उल्लासपूर्वक मनाया गया। श्रद्धालु भक्तजनों ने श्रीकृष्ण का दर्शन कर अपनी प्रसन्नता को व्यक्त किया। ‘‘भये प्रकट कृपाला, दीन दयाला कौसल्या हितकारी’’ के बीच गुब्बारे उडाकर मिठाई का वितरण हुआ। व्यासपीठ से आचार्य देवर्षि त्रिपाठी ने कहा कि सृष्टि में जब पापाचार, दुराचार बढ जाता है तो परमात्मा विविध रूप धारण कर नर लीला करते हुये पृथ्वी को पाप से मुक्त करते हुये सदाचरण सिखाते हैं। प्रत्येक अवतार के पीछे लोक मंगल की कामना छिपी है। ईश्वर भक्तों की सुख शांति के लिये स्वयं कितना कष्ट भोगते हैं यह भक्त ही जानते हैं। महात्मा जी ने कहा कि परमात्मा जिसे मारते हैं उसे भी तारते हैं। उन्हें सत्ता नहीं संत और सहजता प्रिय है। रावण का बध कर श्रीराम चन्द्र ने लंका का राज्य विभीषण को सौंप दिया और कन्हैया ने कंस का बध कर राज्य उग्रसेन को दे दिया।

महात्मा सन्तोष शुक्ल ने कहा कि जीव भगवान की शरण ले तो उसके सभी पाप दूर हो जाते है। ‘‘ सन मुख होय जीव मोहि जबही। जन्मकोटि अघ नाशहुं तबही।। मनुष्य एक दूसरे को देव रूप मानने लगें तो कलयुग, सतयुग बन सकता है। महात्मा जी ने कहा कि जीवन कर्म भूमि है और उसका उचित अनुचित फल भोगना पड़ता है। जीवन को जितना सहज बनाकर प्रभु को अपर्ण करेंगे जीवन में उतनी ही शांति मिलेगी। श्रीराम अति सहज हैं, ‘‘अति कोमल रघुवीर सुभाऊ’’। उन्हें छल नहीं निर्मल मन भाता है।

संयोजक ध्रुवचन्द्र पाठक, मुख्य यजमान गुरू प्रसाद गुप्ता, उदय नरायन पाठक, सीता पाठक, जगदम्बा पाण्डेय, शीतला गोस्वामी, शिवमूरत यादव, रामसुन्दर, उदयनरायन पाठक, ओम प्रकाश पाठक, परमात्मा सिंह, अनिल पाठक, मनोज विश्वकर्मा, नरेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, त्रियुगी नारायण त्रिपाठी, हृदयराम गुप्ता, पिन्टू मिश्रा, बब्लू उपाध्याय, रामसेवक गौड़, उर्मिला त्रिपाठी, बीरेन्द्र ओझा , अमरजीत सिंह , शुभम पाठक , राम बहोरे , उमेश दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मो0 दुर्घटना प्रतिकर वाद सं0–195/2022

न्यायालय–श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामचन्दर आदि

बनाम

राजबली यादव आदि

1. राजबली यादव पुत्र नन्दलाल यादव निवासी ग्राम माझाखुर्द टिलिया पो0–डिंगरापुर जिला–बस्ती पिन कोड नं0– 272301 (वाहन स्वामी ट्रैक्टर नम्बर यू0पी0 51/ए0एस0–7166)

2. राजमनि पुत्र राधेश्याम निवासी पिठिया लश्करी पो0–सूदीपुर जिला बस्ती पिन कोड नम्बर–272128 (चालक ट्रैक्टर नम्बर यू0पी0 51/ए0एस0–7166)

तारीख पेशी 24–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

धर्म परिवर्तन कराने के दोषी ईसाई दंपती को पांच वर्ष की जेल

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। धर्म परिवर्तन कराने के दोषी ईसाई दंपती को एससी–एसटी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राम विलास सिंह ने पांच–पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 25–25 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया। मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के पिपरिया बैंक कॉलोनी निवासी जोस पापाचन व उसकी पत्नी शीजा एएमएन के खिलाफ जलालपुर के जमौली निवासी भाजपा नेता चंद्रिका प्रसाद ने 23 जनवरी 2023 को केस दर्ज कराया था। चंद्रिका के अनुसार जोस और शीजा तीन माह से शाहपुर फिरोज गांव की दलित बस्ती में सक्रिय थे। दोनों गरीब परिवारों में जाकर उन्हें बरगलाते थे। 25 दिसंबर को दलित बस्ती में ही बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा करके धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया। चंद्रिका की शिकायत पर पुलिस ने शाहपुर फिरोज गांव से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से ईसाई धर्म से जुड़ी सामग्री भी बरामद की गई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आरोपी दंपती को धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के आरोप में दोषी पाते हुए कारावास के साथ अर्थदंड की सजा सुनाई। शीजा को 18 जनवरी और जोस को 22 जनवरी को जेल भेजा गया।

बदली के साथ सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठंड

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में तीन दिन से ठंड तेजी से बढ़ रही है। गुरुवार को भी सूर्य भगवान के दर्शन नहीं हुए। भोर से ही बदली छायी रही। सर्द हवाओं के चलने से हो रही गलन से लोग परेशान रहे। स्थिति यह रही कि लोग घरों में ठिठुरते रहे। बचनाव के लिए आग के सहारे बैठे रहे। सबसे अधिक समस्या मजदूर वर्ग के लोगों के लिए हो रही है। ज्यादातर जगहों पर काम ठप होने से रोजी का संकट खड़ हो गया। वहीं दैनिक मजदूर काम की तलाश में भटकते रहे। पिछले दो दिनों से ठंड तेजी से बढ़ रही है। गुरुवार को न्यूनतम 10 डिग्री दर्ज किया गया। भोर में सर्द हवाओं के साथ काफी अधिक गलन भरी ठंड होती रही। दिन में भी धूप न निकलने से लोग घरों में ठिठुरते रहे। काम की मजबूरी में जो लोग बाहर निकले भी वे अलाव तलाशते नजर आए। ठंड के चलते मजदूरों को समस्या हो रही है। मजदूर सुरेमन, केसई, लालमन, दीनबन्धु, सुरेश आदि ने बताया कि पिछले तीन दिनों से उन्हें काम नहीं मिल रहा है। ठंड अधिक होने के कारण लोग आ ही नहीं रहे हैं। निराश होकर अब घर को वापस लौट रहे है। वहीं राजगीर मिस्त्री अनिल सागर, अभिषेक रावत, लालमन ने बताया कि काम तो मिल गया है, लेकिन ठंड अधिक होने के कारण काफी समस्या हो रही है।

बिजली कर्मचारियों का निजीकरण का विरोध जारी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बिजली कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर निजीकरण का विरोध जारी रखा। अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर धरना देकर निजीकरण का विरोध किया। बिजली कर्मचारियों का आक्रोश दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कर्मियों ने कहा कि बिजली कर्मचारी शांतिपूर्वक लोकतांत्रिक ढंग से निजीकरण का विरोध कर रहे हैं और यह विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार निजीकरण का फैसला वापस नहीं लेगी। संघर्ष समिति पदाधिकारी सुनील प्रजापति ने कहा कि निजीकरण हेतु कंसल्टेंट नियुक्त करने के पहले सरकार को अन्य प्रांतों में और उत्तर प्रदेश में आगरा एवं ग्रेटर नोएडा में हुए निजीकरण के प्रयोगों की विफलता पर संघर्ष समिति से वार्ता करना चाहिए। शैलेन्द्र यादव ने कहा कि उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री पर पूरा विश्वास है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में बिजली कर्मी लगातार सुधार कर रहे हैं। ऊर्जा मंत्री पिछले तीन वर्ष में अनेक बार ट्वीट करके सुधार हेतु बिजली कर्मचारियों की प्रशंसा करते रहे हैं । अब इससे ठीक उलट निजीकरण की बातें करना का क्या औचित्य है।

अधिवक्ताओं का जारी है धरना, परेशान हो रहे वादकारी

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील पर उप निबंधन कार्यालय को लेकर अधिवक्ताओं का धरना लगातार जारी है। इस धरने के चलते न्यायालय नहीं चल पा रहे हैं। जिसके कारण वादकारियों को ठंड के महीने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वह अपनी तारीख देखने आए और मायूस होकर उन्हें वापस लौटना पड़ा।

धनघटा तहसील पर उप निबंधन कार्यालय तहसील परिसर में बनवाने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का धरना लगभग दो महीने से चल रहा है। इस मामले को लेकर अधिवक्ता जिलाधिकारी को पत्र देने के साथ–साथ जिले पर डीएम कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किए।

इसके साथ ही बुद्धि शुद्धि यज्ञ कर अधिकारियों के संज्ञान में मामले को डालें लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई जिसका परिणाम हुआ कि अधिवक्ता अपनी जिद पर पड़ गए। आज भी लगभग दो महीने से अधिवक्ताओं का धरना उप निबंधन कार्यालय के भवन को निर्माण को लेकर जारी है।

अधिवक्ताओं का कहना है कि इस समस्या के चलते अधिकारियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। वे अपनी समस्या लेकर तारीख देखने आते हैं लेकिन न्यायालय न चलने के कारण उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ता है।

बीआरडी में विचाराधीन बंदी की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता–गोरखपुर। देवरिया के बनकटा थाना क्षेत्र के एक विचारधीन बंदी की बीआरडी में इलाज के दौरान गुरुवार की सुबह मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक देवरिया के बनकटा थाना क्षेत्र के सुंदरपार भटवलिया पांडेय निवासी बेचू प्रसाद (66) को 20 सितंबर 2024 को जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बेचू प्रसाद को धारा 306 के आरोप मे निरुद्ध कर जिला कारागार देवरिया भेज दिया था। 15 जनवरी 2025 को बंदी की अचानक तबीयत बिगड़ने पर जेल पुलिस ने देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था, जिसे 16 जनवरी 2025 को चिकित्सकों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बंदी की गुरुवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। मेडिकल चौकी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया।

गगहा के युवक की विहार में मार्ग दुर्घटना में मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के भैंसहा निवासी 29 वर्षीय अनुभव सिंह सैनिक इंडस्ट्री गया बिहार में स्टोर इंचार्ज के पद पर कार्यरत थे। बुधवार की रात धनबाद से लौटते समय गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर पलट गई, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है, पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया जाएगा। अनुभव सिंह 10 दिन पूर्व घर से गए थे। इनके पिता आनन्द सिंह की मौत काफी पहले हो गई थी। पूरे परिवार की जिम्मेदारी माता सरोजिनी सिंह के कंधे पर आ गई। वह गांव के विद्यालय में शिक्षा मित्र के पद पर कार्यरत हैं। आनंद दो भाई थे। छोटा भाई रमन सिंह घर पर रहकर घर की देखभाल करते हैं। सारी जिम्मेदारी अभिनव सिंह के कंधे पर थी। उनकी शादी हो चुकी है 5 वर्ष का एक बेटा है।

पराक्रम दिवस पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता– रूधौली (बस्ती)। गुरूवार को इतिहास विभाग के तत्वाधान में राजकीय महाविद्यालय, रूधौली, बस्ती में भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के अमर सपूत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्म दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डा0 मु0 नसीर हसन ने माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन तथा नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। मुख्य वक्ता डा0 राजेश कुमार शर्मा ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को याद करते हुये भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके किये गये अविस्मरणीय कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया।

डा0 शर्मा ने कहा कि महान व्यक्तियों का जीवन हमें याद दिलाता है कि हम भी अपने जीवन को महान बना सकते है और इस संसार से बिछडते हुये समय की रेत पर अपने पदचिन्ह छोड सकते है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय योद्धा श्री सुभाष चन्द्र बोस और उनके द्वारा गठित ‘आजाद हिन्द फौज’ के कार्यो का उल्लेख किया बिना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कहानी अधूरी ही रह जाती है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व और कांग्रेस के मध्यगामी मंच से शुरू करके विदेशी भूमि पर आजाद हिन्द फौज के नेतृत्व तक का सुभाष बाबू का जीवन स्वाधीनता के इतिहास का एक ऐसा गौरव पृष्ठ है, जिसकी दूसरी समानता नहीं ढूंढी जा सकती। एक भारतीय राष्ट्रवादी के रूप में, सुभाष चंद्र बोस ने उपनिवेशवाद को चुनौती देने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। वह उन महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक हैं, जिन्हें देश हमेशा याद करता है। 5 जुलाई 1943 ई0 को उन्होंने सिंगापुर में नागरिक वेशभूषा को तिलांजलि देकर सैनिक वेश अपनाया था और सिटी हॉल के मैदान में भारतीय सैनिकों और नागरिकों को एक विशाल सभा में प्रखर स्वर में घोषणा की थी कि आजाद हिन्द फौज द्वारा एक सशस्त्र आक्रमण के बल पर भारत को स्वाधीनता दिलानी होगी। वहीं उन्होंने ‘दिल्ली चलो’ का नारा भी दिया था। वही सैनिक वेशभूषा अगस्त, सन् 1945 में नेताजी के लोप होने तक उनके साथ रही। भारतीय जनमानस में नेताजी की वह वीर छवि आज भी बनी हुई है – एक ऐसे जीवित नायक के रूप में, जो कभी भी सामने आकर ‘जय हिन्द’ का उद्घोष कर सकता है। आज भारत की सरकार उनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय पराक्रम दिवस के रूप में मनाती है।

कार्यक्रम का संचालन जगदीश प्रसाद, असिस्टेंट प्रोफेसर–समाजशास्त्र ने किया और डा0 राजेश कुमार शर्मा, प्रोफेसर– इतिहास विभाग ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान श्री विकास कुमार, मनीष सिंह, मोहित तथा अनेक छात्र–छात्राएँ यथा– ममता, प्रियंका, प्रेमलता, अंकिता चौरसिया, सना खान, कृष्ण कुमार, रवि दूबे, चॉदनी मौर्या, मीनाक्षी, सलोनी मिश्रा, सुन्दर, रेनू आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति के साथ डिनर में शामिल होंगे सेहुड़ा के प्रधान व आशा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के सेमरियावां ब्लाक के सेहुड़ा के प्रधान व तिनहारी माफी की आशा गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति के डिनर में शामिल होंगी। इसके अलावा गणतंत्र दिवस के परेड में भी प्रतिभाग करेंगे।

पंचायत राज निदेशक उत्तर प्रदेश अटल कुमार राय के भेजे गए पत्र में लिखा है कि ग्राम पंचायत सेहुड़ा के प्रधान अफजाल अहमद को गणतंत्र दिवस के परेड में शामिल होने का आमंत्रण दिया है। इसके अलावा तिनहरी माफी की आश शीला देवी को भी निमंत्रण मिला है। दोनों लोगों को दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस में प्रतिभाग करने का मौका प्राप्त होगा। इसके अलावा दोनों लोग राष्ट्रपति की कोर्ट से आयोजित डिनर में भी शामिल होंगे।

2010 में ग्राम प्रधान बनने के बाद गांव में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। जिसके चलते अब तक कई पुरस्कार भी मिल चुका है। आशा शीला देवी को ग्रामीणों को टीकाकरण के अलावा अच्छी स्वास्थ्य सुविधा देने का उपहार मिला है। दोनों प्रतिभागी अपने संसाधन से दिल्ली रवाना होंगे। आने जाने का खर्च शासन की ओर से वह किया जाएगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद वाद सं0 517/2010

रामबालक दास

बनाम

घनश्याम सिंह आदि

1. राजू 2. केशवराम 3. राजेश पुत्रगण स्व0 फागू निवासीगण भानपुर बाबू तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. लाले 2. जुगानू 3. गुड्डू पुत्रगण स्व0 सतानू निवासीगण भानपुर बाबू तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–03–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 06 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान अष्टम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 255/97

ठाकुर प्रसाद

बनाम

राजकुमार आदि

8/1 श्रीमती गीता विधवा विजय कुमार 8/2 कु0 सृष्टि नावालिग पुत्री विजय कुमार 8/3 समर नावालिग पुत्र विजय कुमार निवासीगण ग्राम नगरखास तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 05 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 53/87

जयराम

बनाम

रामदेव आदि

6/1 अतुलराज उम्र 45 साल पुत्र स्व0 राजदेव 6/2 प्रेमलता उम्र 68 साल पत्नी स्व0 राजदेव निवासीगण ग्राम मड़वानगर हाल मुकाम मंझरिया तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–02–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com